सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

नई शिक्षा नीति 2020 [NEP] के अंतर्गत एम. ए. हिंदी का पाठयक्रम

Under The New Education Policy 2020 [NEP] M.A. Hindi Course

संबद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष
तृतीय एवं चतुर्थ अयन

Academic year

2023-2024

अनुक्रम

एम. ए. हिंदी द्वितीय / तृतीय अयन : 22 क्रेडिट

अ. क्र.	Major Mandatory	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN 601MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	
HIN 602MJ	राष्ट्रीय काव्यधारा	4	
HIN 603MJ	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	
HIN 604MJ	हिंदी कम्प्यूटिंग	2	
	Major Elective Mandatory (one)		
HIN 610MJ	हिंदी विज्ञापन निर्माण एवं प्रयोग	4	
HIN 611MJ	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4	
HIN 612MJ	पारिस्थितिकी और हिंदी साहित्य	4	
	Research Project		
HIN 631RP	शोध परियोजना (Research Project)	4	

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन : 22 क्रेडिट

अ. क्र.	Major Mandatory	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
HIN 651MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	
HIN 652MJ	आधुनिक भारतीय कविता	4	
HIN 653MJ	टेलीविजन पत्रकारिता	4	
	Major Elective Mandatory (one)		
HIN 660MJ	हिंदी लघुकथा	4	
HIN 661MJ	रचनात्मक लेखन	4	
HIN 662MJ	शब्दकोश विज्ञान	4	
	Research Project		
HIN 681RP	शोध परियोजना (Research Project)	6	

एम. ए. हिंदी
प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

कार्यक्रम अध्ययन परिणाम (Program Learning Outcomes) :

एम्. ए. हिंदी पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. हिंदी साहित्य के विविध कालों का प्रवृत्तिगत अध्ययन किया जाएगा।
2. साहित्य की विविध विधाओं का स्वरूपात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
3. साहित्यकार और उनके साहित्यिक ग्रंथों का अध्ययन किया जाएगा।
4. संवाद कौशल और प्रस्तुति कौशल प्राप्त होगा।
5. हिंदी भाषा का विशिष्ट ज्ञान और लेखन कौशल प्राप्त होगा।
6. आलोचनात्मक सोच निर्धारित होगी।
7. साहित्यिक कलाकृतियों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।
8. अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास होगा।
9. रोजगार के लिए अवश्यक क्षमताओं का विकास होगा।
10. रचनात्मक लेखन के लिए दिशा मिलेगी।

एम. ए. हिंदी
प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (Program Specific Outcomes (PSOs):

एम .ए. (हिंदी) उपाधि सफलतापूर्वक प्राप्त करने के पश्चात् निम्नलिखित कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम प्राप्त होंगे:

1. भिन्न पृष्ठभूमि में जन्में हिंदी साहित्य के विविध कालों का आकलन करेंगे।
2. साहित्यिक ग्रंथों की समीक्षा कर करेंगे।
3. भाषा कौशलों का प्रयोग कर सकेंगे।
4. रचनाओं के विश्लेषण के लिए सैद्धांतिक ढाँचे का उपयोग कर सकेंगे।
5. विविध आलोचनात्मक दृष्टिकोणों का संश्लेषण कर सकेंगे।
6. अनुसंधान के लिए आवश्यक सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करेंगे।
7. रोजगार के लिए आवश्यक क्षमताएँ प्राप्त करेंगे।
8. डिजिटल उपकरण और तकनीक का प्रयोग कर सकेंगे।
9. रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक क्षमताएँ प्राप्त करेंगे।
10. चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक क्षमताएँ प्राप्त करेंगे। ।

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 601MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4

लक्ष्य (Aim) :

वर्तमान सभ्यता की नींव अतीत की गहराई में छिपी होती है। इतिहास हमें यह समझाने में सहायक होता है कि किस प्रकार से समाज वर्तमान स्वरूप में आया है। इतिहास के कारण हम उन घटनाओं के घटने के कारणों को समझने, विश्लेषण करने एवं अर्थ जानने के योग्य हो जाते हैं। इतिहास का एक विशेष पहलू यह है कि वह समय का अध्ययन करता है। समय के साथ- साथ विचार और संस्थाएं भी परिवर्तित होती हैं। इतिहास के कारण मानव की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां एवं उपलब्धियों की जानकारी मिलती है। अत: हम यह कह सकते हैं कि इतिहास, समय के अनुसार मानव विकास की प्रक्रिया है। इसी कारण वर्तमान हिंदी साहित्य को समझने के लिए हिंदी साहित्य के इतिहास को जानना जरूरी है।

एम. ए. पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र हिंदी साहित्य इतिहास के आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल का अध्ययन करेंगे। इससे छात्रों को तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक परिस्थितियों की जानकारी मिलेगी। परिणाम स्वरूप छात्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक विरासत को समझने तथा उनका विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ेगी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और उसके नामकरण से परिचित होंगे।
3. हिंदी साहित्य को जन्म देनेवाली परिस्थितियों से अवगत होंगे।
4. आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीति काल का प्रवृत्तिगत अध्ययन करेंगे।
5. भक्तिकालीन कवियों के दर्शन से परिचित होंगे।
6. हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के कवियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
7. विभिन्न युगों के कवियों के काव्य का अध्ययन करेंगे।
8. विभिन्न युगों की प्रतिनिधि रचनाओं का विश्लेषण करेंगे।
9. विभिन्न युगों के कवियों के काव्य का मूल्यांकन करेंगे।
10. विभिन्न युगों के कवियों का प्रदेय अंकित कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**	**PSO-6**	**PSO-7**	**PSO-8**	**PSO-9**	**PSO-10**
CO-1	**3**	**2**					**2**				**3**	**2**			**2**					
CO-2	**3**	**2**					**2**				**3**	**2**								
CO-3	**3**	**2**					**2**				**3**	**2**			**2**					
CO-4	**3**	**2**	**2**				**2**				**3**	**2**			**2**					2
CO-5	**3**	**3**	**2**			**3**	**2**				**3**	**2**			**2**					2
CO-6	**3**	**3**	**2**			**3**	**2**				**3**	**2**			**2**					2
CO-7	**3**	**3**	**2**			**3**	**2**				**3**	**2**			**2**					2
CO-8	**3**	**3**	**2**			**3**	**2**				**3**	**2**			**2**					2
CO-9	**3**	**3**	**2**			**3**	**3**				**3**	**3**			**2**					2
CO-10	**3**	**3**	**2**			**3**	**3**				**3**	**3**			**2**					2
Wgt Avg	**3**	**2.6**	**2**			**3**	**2**				**3**	**2.2**			**2**					2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य। अमीर खुसरो की हिंदी कविता।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, आलवार संत, भक्तिकाल का प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य। निर्गुण धारा के कवि : कबीर, रैदास, दादू, नामदेव, जायसी, कुतुबन, मंझन। सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, नंददास, तुलसीदास, नाभादास।	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। बिहारी, केशव, घनानंद, देव, भूषण, बोधा, आलम, ठाकुर।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न। $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य की इतिहास की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
9. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के
10. हिंदी साहित्य का नया इतिहास - डॉ. राजेंद्र मिश्र
11. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु वेदालंकार

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 602MJ	राष्ट्रीय काव्यधारा	4

लक्ष्य (Aim) :

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के आरंभ से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक भिन्न - भिन्न चरणों में राष्ट्रीय भावनाओं से युक्त कविताओं के माध्यम से स्वतंत्रता चेतना का विकास होता रहा है। स्वदेश व स्वधर्म की रक्षा के लिए कवियों ने राष्ट्रीय भावों को काव्य का विषय बना कर राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का कार्य किया है । स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के साथ साहित्यकार भी कंधे से कंधा मिलाकर चलते रहे हैं। वीरों की कीर्ति और समर्पण के लिए विजयगान उनके अभियानों का जयघोष तथा उनकी प्रेरणा के लिए हिंदी साहित्यकार अपनी लेखनी चलाते रहे हैं। ब्रिटिश सरकार का विरोध, स्वतंत्रता की आकांक्षा, राष्ट्रीय भावना एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का विस्तार तत्कालीन साहित्य की मूल संवेदना रही है । स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी राष्ट्रीय चेतना के प्रचार-प्रसार हेतु यह काव्य धारा निरंतर प्रवाहित रही है। एम. ए. हिंदी के राष्ट्रीय काव्यधारा पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से संबंधित साहित्य का विस्तार से अध्ययन करेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र राष्ट्रीयता की अवधारणा को समझेंगे।
2. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
3. राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से युक्त हिंदी कविता की गरिमामय विरासत से परिचित होंगे।
4. राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों से परिचित होंगे।
5. राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करेंगे।
6. राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों की भूमिका का विश्लेषण करेंगे।
7. राष्ट्रीय कवियों की विचारशीलता और कला को समझेंगे।
8. भारत की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक विरासत का परिचय प्राप्त करेंगे।
9. राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र भक्ति का विकास होगा।
10. राष्ट्रीय एकता और एकात्मता को बढ़ावा मिलेगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3		3		2						3			2	2					2
CO-2	3		2		2						3			2	2					2
CO-3	3		3			2	2				3				2					2
CO-4	3		2			2	3				3				2					2
CO-5	3		2			2	3				3				2					2
CO-6	3		2			2	2				3				2					2
CO-7	3		3		3						3			2						2
CO-8	3		2		2						3			2	2					2
CO-9	3		3		3	2	2				3			2	2					2
CO-10	3		3		2						3			2	2					2
Wgt Avg	3		2.5		2.33	5	2.4				3			2	2					2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्य गति सर्वेक्षण पद्धति, साक्षात्कार विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	राष्ट्रीय काव्यधारा : स्वरुप एवं विशेषताएँ **मैथिलीशरण गुप्त** 1. भारत संतान 2. नर हो, न निराश करो मन को	15 तासिकाएँ
इकाई - II	**माखनलाल चतुर्वेदी** 1. पुष्प की अभिलाषा 2. कैदी और कोकिला **सियारामशरण गुप्त** 1. जग में अब भी गूँज रहे हैं 2. हम सैनिक हैं	15 तासिकाएँ
इकाई - III	**बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'** विप्लव गायन 1. अरे तुम हो काल के भी काल **सुभद्राकुमारी चौहान** 1. वीरों का हो कैसा बंसत 2. झाँसी की रानी	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	**रामधारी सिंह 'दिनकर'** 1. अरुणोदय 2. हिमालय **शिवमंगल सिंह 'सुमन'** 1. वरदान मांगूगा नहीं 2. तब समझूँगा आया बंसत	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक/कवि आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्रश्न 1. चारों इकाइयों पर एक-एक ससन्दर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे। $2 \times 6 = \mathbf{12}$

प्रश्न 2. किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न ।तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। $3 \times 16 = \mathbf{48}$

प्रश्न 3. चारों इकाइयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न। पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन प्रश्न। $10 \times 1 = \mathbf{10}$

संदर्भ ग्रंथ :

1. साहित्य इतिहास और संस्कृति - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन
2. आधुनिक कवि - विश्वभंरमानव, राजकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
3. दिनकर के काव्य में राष्ट्रिय भावना - डॉ. लक्ष्मीनारायण अग्रवाल
4. छायावादोत्तर काव्य - प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद
5. राष्ट्रभाषा विचार संग्रह - डॉ. न. चि. जोगळेकर
6. हिंदी काव्य प्रमुख एवं प्रवृत्तियाँ - डॉ. कृष्णदेव झारी
7. हमारी सांस्कृतिक एकता - रामधारी सिंह दिनकर
8. मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन - डॉ. नगेन्द्र

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 603MJ	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4

लक्ष्य (Aim) :

अनुवाद की उपयोगिता बहुमुखी है, अनुवाद कला का भविष्य उज्जवल है । अनुवाद परिश्रम साध्य कला है। धर्म, विज्ञान, तकनीकी विषयों का अनुवाद सरल है। साहित्य, कविता और नाटक का अनुवाद कठिन है। यंत्रों के द्वारा भावों विचारों का अनुवाद संभव नहीं है । भारत बहुभाषी देश है संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार भारत में 22 राज्य भाषाएं हैं। अनुवाद के कारण विश्व भर में संपर्क स्थापित करना आसान हो गया है । विश्व में आपसी सहयोग व्यापार कृषि सांस्कृतिक आदान-प्रदान तेजी से विकसित हो रहा है। नए शोध ज्ञान का विपुल भंडार किसी एक देश तक सीमित नहीं रहा है। अनुवाद के माध्यम से विश्व भर में व्यापार, पर्यटन उद्योग, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, साहित्य, कृषि, शिक्षा, अनुसंधान, संस्कृतिक संबंधों में जितनी तेजी से परिवर्तन हो रहा है, उतनी ही तेजी से अनुवाद की आवश्यकता बदलती जा रही है। वर्तमान में अनुवाद की आवश्यकता बढ़ती जा रही है । अनुवाद के बिना विकास असंभव है । अनुवाद के कारण रोजगार के कई अवसर प्राप्त हुए हैं। इन तमाम संभावनाओं की प्राप्ति हेतु एम. ए. स्तर पर इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष की समझ होगी।
2. छात्र अनुवाद प्रविधि और प्रक्रिया का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. अनुवाद कला से परिचित होंगे।
4. अनुवाद के प्रकारों को समझेंगे।
5. अनुवाद व्यवहार को समझेंगे।
6. अनुवाद के सोपानों का परिचय प्राप्त करेंगे।
7. अनुवाद कौशल विकसित होगा।
8. साहित्यिक और साहित्येर अनुवाद के अंतर को समझेंगे।
9. अनुवाद करने की क्षमता विकसित होगी।
10. अनुवाद में आने वाली समस्याओं से परिचित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**	**PSO-6**	**PSO-7**	**PSO-8**	**PSO-9**	**PSO-10**
CO-1	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2			
CO-2	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2		2	
CO-3	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2		2	
CO-4	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2		2	
CO-5	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2		2	
CO-6	3	2			2		2	2	2	2	3	2	2	2		2	2		2	
CO-7	3				3			2	2	2	3		2	2		2	2		2	
CO-8	3				3			2	2	2	3		2	2		2	2		2	
CO-9	3				3			2	3	3	3		3	3		2	3		2	
CO-10	3				3			2	3	3	3		3	3		2	3		2	
Wgt Avg	3	2			2.4		2	2	2.2	2.2	3	2	2.2	2.2		2	2.2		2	

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, साक्षात्कार विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि ।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	**अनुवाद का स्वरूप :** परिभाषाएँ पर्यायवाची शब्दों का विवेचन अनुवाद और समतुल्यता, अनुवाद - कला या विज्ञान। अनुवाद की उपयोगिता एवं व्याप्ति।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	**अनुवाद के प्रकार :** **अ)** भाषा की अभिव्यक्ति के आधार पर : 1. गद्यानुवाद 2. पद्यानुवाद **आ)** विषय के आधार पर : 1. साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद। 2. साहित्येतर अनुवाद : कार्यालयी, वैज्ञानिक-तकनीकी, कृषि, सेना, विधि, वाणिज्य आदि। ई) अनुवाद की प्रकृति के आधार पर : 1. मूलनिष्ठ, मूलमुक्त 2. शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, रूपांतरण।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	**अनुवाद प्रकिर्या :** अ) पाठ पठन, विश्लेषण, भाषांतरण, समायोजन, स्रोत पाठ से तुलना। आ) प्रक्रियागत स्थितियाँ : अर्थयोग, अर्थहानी, अर्थांतरण, अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद।	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	अनुवाद व्यवहार : सहायक साधनों के उपयोग का महत्व, सावधानी एवं अभ्यास। कोश (द्विवभाषिक, त्रिभाषिक, संकल्पना विषयक आदि) सूचियाँ, विषय विशेष के संदर्भ ग्रंथ आदि। मशीनी अनुवाद : संगणक, शब्दसंसाधक (वर्ड प्रोसेसर) प्रोग्रामिंग : स्वरूप एवं सीमाएँ।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक/अनुवादक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न । $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 0 = \mathbf{10}$

प्रथम और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद कला - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्द प्रकाशन, दिल्ली
2. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - डॉ. सुरेन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ - एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञानगंगा, दिल्ली
5. अनुवाद बोध - संपा. डॉ. गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
6. अनुवाद अवधारणा और अनुप्रयोग - संपा. चंद्रभान रावत
7. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. अनुवाद सिद्धांत एवं स्वरुप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवकांत गोस्वामी

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 604MJ	हिंदी कंप्यूटिंग	2

लक्ष्य (Aim) :

आज का युग संगणक का युग है। आज शायद ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा जहाँ पर कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का प्रयोग नहीं होता होगा। कंप्यूटर की शुरूआत तो अंकीय गणना के लिए की गई थी। लेकिन आज तार्किक अंकीय गणना के साथ-साथ भाषा का विकास, लिपि का विकास, हवाई जहाज, कार्यालयों में, सिनेमा की डंबिग, वाणिज्य, उद्योग, बैंक, अनुवाद, सॉफ्टवेअर आदि ऐसे कई क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रयोग दिन-ब-दिन बढता जा रहा है। भारतीय लिपियों भाषाओं से संबंधित इनपुट विधियों, कंप्यूटर अनुप्रयोगों के स्थानीयकरण, वेब विकास, डेटाबेस प्रबंधन, वर्तनी जांचकर्ताओं, भाषण से पाठ और पाठ से भाषण अनुप्रयोगों और भारतीय भाषाओं में ओ .सी . आर. में सॉफ्टवेयर विकसित करना शामिल है। कंप्यूटर और इंटरनेट पर काम करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली अधिकांश भारतीय लिपियों को यूनिकोड में एन्कोड किया गया है। बंगाली, देवनागरी, गुजराती, गुरुमुखी, कन्नड़, मलयालम, नेवाड़ी, उड़िया, सिंहल, तमिल और तेलुगु लिपियों को एन्कोड और समर्थित किया गया है। हिंदी टाइपिंग की सुलभता के कारण इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग लोकप्रिय हो गया है। अधिकतर पुराने नॉन-यूनिकोड फॉण्ट प्रयोग करने वाली वेबसाइटों ने यूनिकोड को अपना लिया है।

वर्तमान में इंटरनेट पर हिंदी प्रयोक्ताओं की अच्छी-खासी संख्या है।आज देखा जाएं तो अधिकतर हिंदी समाचारपत्रों की वेबसाइटस् है। इसके अतिरिक्त अनेक मनोरंजन पोर्टल, ई-कॉमर्स में भी हिंदी में उपलब्ध है। दूसरी ओर विकिपीडिया, विकिट्रेवल, भारतकोश, काव्य कोश आदि ज्ञानवर्धक विश्वकोश भी हिंदी भाषा में उपलब्ध है। वर्तमान में अधिकतर सर्च इंजन, गूगल, बिंग आदि हिंदी यूनिकोड खोज का समर्थन करते हैं। हिंदी खोज के मामले में गूगल का प्रदर्शन अन्य सर्च इंजनों की तुलना में बेहतर है। गूगल का इंटरफेस हिंदी एवं अन्य दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध है। आज विचार करें तो कंप्यूटर में हिंदी भाषा का प्रयोग बहुत ही बढ रहा है । आज हिंदी भाषा केवल साहित्यिक न होकर टेक्नोलॉजी की भाषा बन गई है। इन उपयोगिताओं हेतु एम. ए. के स्तर पर हिंदी कंप्यूटर के अनुप्रयोग हेतु पाठ्यक्रम का निर्माण किया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र वर्तमान युग में कंप्यूटर के अनुप्रयोग की अनिवार्यता समझेंगे।
2. कंप्यूटर में हिंदी भाषा के प्रयोग का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. कंप्यूटर के भाषा सॉफ्टवेयर की प्रक्रिया समझेंगे।

4. यूनिकोड सॉफ्टवेयर से अवगत होंगे।
5. कंप्यूटर के अनुप्रयोग से हिंदी भाषा कौशल विकसित होगा।
6. कंप्यूटर के शिक्षक प्रणाली का ज्ञान प्राप्त होगा।
7. मशीनी अनुवाद सॉफ्टवेयर का अध्ययन करेनेग।
8. इंटरनेट की दुनिया में हिंदी भाषा का अभ्यास करेंगे।
9. कंप्यूटिंग कौशलों का विकास होगा।
10. हिंदी भाषा में कार्य करनेवाली सरकारी एवं अर्धसरकारी वेबसाइट्स का परिचय प्राप्त करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-2	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-3	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-4	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-5	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-6	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-7	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-8	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-9	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
CO-10	3				3				3	2	3		3	3			2	3		
Wgt Avg	3				3				3	2	3		3	3			2	3		

शिक्षा विधि(Pedagogy):

व्याख्यान पद्धति,विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।.

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	1. कंप्यूटर : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा एवं इतिहास, कंप्यूटर के मुख्य भाग एवं प्रणाली का परिचय 2. वर्तमान में कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग 3. कंप्यूटर और देवनागरी लिपि 4. हिंदी भाषा और इंटरनेट की दुनिया 5. यूनिकोड का प्रयोग एवं महत्व	15 तासिकाएँ
इकाई - II	1. भारतीय भाषाएँ और सूचना प्रोद्यौगिकी 2. हिंदी भाषा के मशीनी अनुवाद के सॉफ्टवेअर 3. हिंदी भाषा से संबंधित सॉफ्टवेअर 4. हिंदी भाषा में कार्य करनेवाली एवं सरकारी अर्धसरकारी वेबसाइटस् – का परिचय https://rajbhasha.gov.in https://chd.education.gov.in/ https://hindisansthan.in/ www.cdacindia.com www.dictionary.com www.bharatdarshan.co.nz www.hindinet.com www.hindibhasha.com https://www.hindisamay.com/	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्रश्न 1. इकाई i पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। $2 \times 7 =$ **14**

प्रश्न 2. इकाई ii पर चार प्रश्न जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। $2 \times 7 =$ **14**

प्रश्न 3. दोनों इकाइयों पर सात बहुपर्यायी प्रश्न। $7 \times 1 =$ **7**

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और लिपि - नरेश कुमार
2. मशीनी और मशीनी अनुवाद - वृषभ प्रसाद जैन
3. कंप्यूटर के अनुप्रयोग - ओजस एवं श्रीवास्तव
4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
5. कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कंप्यूटिंग - डॉ. एस. के. शर्मा
6. कंप्यूटर परिचालन तत्व - राम बंसल
7. कंप्यूटर - प्रशांत शर्मा
8. कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर - डॉ. एस. के. शर्मा
9. https://rajbhasha.gov.in/

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 610MJ	हिंदी विज्ञापन: निर्माण एवं प्रयोग	4

लक्ष्य (Aim) :

विज्ञापन शब्द वि और ज्ञापन से मिलकर बना है। अर्थात विज्ञापन का अर्थ विशेष ज्ञान से है। वर्तमान में विज्ञापन व्यापार को बढावा देने का माध्यम माना जाता है। विज्ञापन किसी भी वस्तु, व्यक्ति, संस्थान के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करने व उनमें इनके प्रति विश्वास जगाने का एक ऐसा माध्यम हैं, जो वर्तमान व्यवसायिक युग का एक अभिन्न अंग बन गया है।

विज्ञापन निर्माण एक प्रक्रिया है। विज्ञापन में पहले वस्तु का ले आऊट तैयार किया जाता है। ले आऊट में भी मुख्य शीर्षक, उप शीर्षक, चित्र, चिन्ह आदि तत्व निहित हैं। विज्ञापन उत्पादक के हाथ में एक ऐसा हाथियार है, जिसके बल पर वह उपभोगता को वस्तु खरीदने को विवश कर देता है। मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम भी इसमें अहम् भूमिका निभा रहे हैं। विज्ञापन के निर्माण में, उसकी प्रस्तुति में कानुन एवं आचार-संहिता का भी पालन करना पड़ता है। सफल विज्ञापन उत्पादक के उद्देशों की पूर्ती करता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र विज्ञापन की अवधारणा का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. विज्ञापन निर्माण प्रक्रिया का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. विज्ञापन के प्रकारों से अवगत होंगे।
4. विज्ञापन और उपभोक्ता तथा विज्ञापन और व्यवसाय के सरोकारों को जानेंगे।
5. विज्ञापन की भाषा से परिचित होंगे।
6. विज्ञापन संपादन एवं निर्देशन कला सीखेंगे।
7. विज्ञापन प्रस्तुति कला सीखेंगे।
8. विज्ञापन कानून और संहिता का परिचय होगा।
9. रोजगार निर्मिति हेतु आवश्यक कौशलों का विकास होगा।
10. विज्ञापन लेखन कौशलों का विकास होगा।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-2	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-3	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-4	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-5	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-6	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-7	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-8	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		
CO-9	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		2
CO-10	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		2
Wgt Avg	3			2	3				3	3	3		3	3			3	2		2

शिक्षा विधि (Pedagogy):

व्याख्यान पद्धति, अर्थ कथन विधि, प्रयोग विधि, कक्षाभिनय विधि, संवाद प्रस्तुति विधि, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	विज्ञापन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्व, विज्ञापन का उद्भव एवं विकास। विज्ञापन के विविध प्रकार विज्ञापन और भाषा का अंत:संबंध विज्ञापन और मनोविज्ञान।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	मुद्रित और इलेक्टॉनिक माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप विज्ञापन के भेद विज्ञापन और व्यवसाय विज्ञापन और उपभोक्ता ।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	विज्ञापन का भाषिक पक्ष और उपभोक्तावाद विज्ञापन का श्रोता पाठक और प्रेक्षक पर प्रभाव विज्ञापन लेखन : भाषा शिल्प एवं प्रविधि ।	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति विज्ञापन कानून एवं आचार-संहिता।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/विज्ञापन का प्रारूप तयार करना/क्षेत्रीय भेंट/ विज्ञापन लेखक/निर्माता आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न । $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय विज्ञापन में नैतिकता - मधु अग्रवाल, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
2. न्यू मीडिया और बदलता भारत — प्रांजलधर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 611MJ	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4

लक्ष्य (Aim) :

सिनेमा ने विश्व को बहुत ही प्रभावित किया है । सिनेमा हमेशा जनमानस के आकर्षण का विषय रहा है । सिनेमा की विकास यात्रा के साथ उसके निर्माण तंत्र में बहुत विकास हुआ है सिनेमा एक प्रभावी संप्रेषण तंत्र है। समाज प्रबोधन शिक्षा एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं को सिनेमा पूर्ण कर रहा है । सामूहिक संप्रेषण सिनेमा प्राण तत्व है। इसी के माध्यम से जन-जन तक पाठ्य विषय को रंजन के साथ पहुंचाया जा सकता है। सिनेमा के साथ ललित एवं कलेत्तर सारी विधाएं जुड़ गई हैं। पाठशालाओं महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में ज्ञानार्जन करने वाले तमाम छात्रों को सिनेमा तंत्र का परिचय कराना बहुत ही लाभप्रद होगा सिनेमा के माध्यम से कई छात्रों में रोजगार उपलब्ध हुए हैं प्रभावी कथा हेतु सिनेमा और साहित्य का परस्पर संबंध है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य और सिनेमा की सैद्धांतिक जानकारी मिलेगी।
2. फिल्म रूपांतरण की प्रक्रिया का अध्ययन करेंगे।
3. हिंदी साहित्य और सिनेमा के सरोकार को समझ सकेंगे।
4. सिनेमा के विकास क्रम का परिचय प्राप्त होगा।
5. सिनेमा की तकनीक को समझ सकेंगे।
6. कथा पटकथा संवाद का महत्व समझेंगे।
7. फ़िल्म समीक्षा तथा उसका उद्देश्य जानेंगे।
8. सिनेमा आकलन और विश्लेषण की क्षमता का विकास होगा।
9. सिनेमा के मूल्यों को जानेंगे।
10. सिनेमा का सामाजिक सरोकार अंकित कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3			2	2				3	3	3		3	3				3		2
CO-2	3			2	2				3	3	3		3	3				3		2
CO-3	3			2	2				3	3	3		3	3				3		2
CO-4	3			2	2				3	3	3		3	3				3		2
CO-5	3			2	3				3	3	3		3	3				3		2
CO-6	3			2	3				3	3	3		3	3				3	3	2
CO-7	3			2	3	2	2		3	3	3		3	3	2			3	3	2
CO-8	3	2		2	3	2	2		3	3	3	2	3	3	2			3	3	2
CO-9	3		2	2	3	2	2		3	3	3		3	3	2			3	3	2
CO-10	3		2	2	3	2	2		3	3	3		3	3	2			3	3	2
Wgt Avg	3	2	2	2	2.6	2	2		3	3	3	2	3	3	2			3	3	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, अध्ययन यात्रा, प्रत्यक्ष कार्य पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास प्रारंभिक दौर का सिनेमा स्वतंत्रता आंदोलन और सिनेमा बाल सिनेमा सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ ।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	सिनेमा का तकनीकी पक्ष सिनेमा निर्माण प्रक्रिया सिनेमा सृजन की सामूहिकता पटकथा, छायांकन, सिने संगीत।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध संवेदना का रूपांतरण और तकनीक निर्देशन अभिनय, शुटिंग और संपादन सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	हिंदी साहित्य और सिनेमा फिल्म समीक्षा देवदास, तीसरी कसम, शोले, आंधी, तारे जमीन पर, 3 इडियट्स, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम,	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ फिल्म संस्थान भेंट/लघु फिल्म/दस्तावेजी/वृत्तचित्र निर्माण/सिनेकर्मी का साक्षात्कार ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। ऐसे चार प्रश्न। $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न।

संदर्भ ग्रंथ :

1. एक फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2014
2. सिनेमा कल आजकल, विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2017
3. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. चार टॉकीज सिनेमा का सफर, अजय ब्रह्मात्मज, राजकमल प्रकाशन, प्रथम सन 2016
5. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर, विकास प्रकाशन, कानपुर
6. विश्व सिनेमा का सौंदर्य बोध - संपा. श्रीराम तिवारी - भारतीय ज्ञानपीठ
8. पारसी थियेटर उद्‌भव और विकास - सोमनाथ गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
9. रंगदर्शन - नेमीचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण - डॉ. किशोर वासवानी
11. साहित्य और सिनेमा - संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, प्रकाशन संस्थान, गाजियाबाद (उ.प्र.)
12. सिनेमा का सौंदर्यशास्त्र - संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, आगरा

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 612MJ	पारिस्थितिकी और हिंदी साहित्य	4

लक्ष्य (Aim) :

पारिस्थितिकी के अंतर्गत समस्त सजीवों और अजीवों का समावेश होता है। पारिस्थितिकी के 'जीवो जीवस्य जीवनम्' इस सूत्र के अनुसार ही सभी जीवों का विकास होता है। इसके अंतर्गत समस्त जीवों और अजीवों के मध्य पारस्पारिक अंतः संबंधों का अध्ययन किया जाता है। वर्तमान में पारिस्थितिकी विनाश एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है। मनुष्य विज्ञान और विकास के नाम पर प्रकृति का निरंतर नाश कर रहा है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी से पर्यावरण संतुलन तथा पर्यावरण प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय अपदाओं से अपरिमित हानी हो रही है। हिंदी साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं द्वारा इस ओर पाठकों का ध्यान आकर्षित किया है। छात्रों में सहजीवन और पर्यावरण मूल्यों का रोपन करना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र पारिस्थितिकी की अवधारणा को समझेंगे।
2. पारिस्थितिकी और साहित्य की भूमिका समझेंगे।
3. पर्यावरण के प्रति जागृत होंगे।
4. पर्यावरणीय चिंतन के प्रति सचेत होंगे।
5. पारिस्थितिक का महत्व समझेंगे।
6. पारिस्थितिकी को दूषित करने वाली इकाइयों को जानेंगे।
7. पारिस्थितिकीय विचारक लेखकों से परिचित होंगे।
8. पारिस्थितिकीय चिंतन करनेवाली रचनाओं अध्ययन करेंगे।
9. पर्यावरण के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
10. पारिस्थितिकीय मूल्य अंकित कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-2	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-3	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-4	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-5	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-6	3	3	2		2		2				3	3		3						2
CO-7	3	2	2		2	2	2				3	2		3						2
CO-8	3	2	2		2	2	2				3	2		3						2
CO-9	3	2	2		2	2	2				3	2		3	2					2
CO-10	3	2	2		2	3	2				3	2		3	3					2
Wgt Avg	3	2.6	2		2	2.2	2				3	2.6		3	2.5					2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण विधि, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	पारिस्थितिकी का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप पारिस्थितिकी के अध्ययन की आवश्यकता पारिस्थितिकी के घटक एवं प्रदुषण जैविक घटक – जीव जंतु, वनस्पति जगत, पशुपक्षी अजैविक घटक – वायु, जल, भूमि-मृदा, ध्वनि, तापीय (ग्लोबलवार्मिंग) रेडिएशन	15 तासिकाएँ
इकाई - II	उपन्यास साहित्य 'मरंग गोडा नीलकंठ हुआ' - महुआ माजी पारिस्थितिकी के आधार पर उक्त उपन्यास की व्याख्या उपन्यास की मूलसंवेदना का अध्ययन उपन्यास के तत्वों के आधार पर व्याख्या पर्यावरण समस्या मूलक विश्लेषण।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	कहानी साहित्य : 1. दालचीनी का जंगल - कमलेश्वर 2. एक पेड़ की मौत - अलका सरावगी 3. इक्कीसवीं सदी का पेड़ - मृदुला गर्ग 4. मौसम - संजीव 5. अकाल - शिवमूर्ति कहानियों की मूल संवेदना का अध्ययन पर्यावरण समस्या मूलक विश्लेषण	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	1. टेडी बियर में बचे हुए भालू - ज्ञानेंद्रपति (संशयात्मा काव्यसंग्रह) 2. कीडे को झुककर देखो - ज्ञानेंद्रपति (संशयात्मा काव्यसंग्रह) 3. दिनांत पर आलु - ज्ञानेंद्रपति (संशयात्मा काव्यसंग्रह) 4. बीज-कथा - ज्ञानेंद्रपति (संशयात्मा काव्यसंग्रह) 5. गिद्ध-वृक्ष - ज्ञानेंद्रपति (संशयात्मा काव्यसंग्रह)	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/ पर्यावरण से संबधित संस्थान से भेंट/लेखक/कवि का साक्षात्कार/समूह चर्चा/छात्र संगोष्ठी।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्रश्न 1 : दूसरी, तीसरी और चौथी इकाई पर एक-एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्ही दो के उत्तर लिखने होंगे । $2 \times 6 = \mathbf{12}$

प्रश्न 2 - किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे । पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न $3 \times 16 = \mathbf{48}$

प्रश्न 3 - चारों इकाईयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न । पहली और तीसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न । दूसरी और चौथी इकाइयों तीन-तीन प्रश्न। ऐसे चार प्रश्न । $10 \times 1 = \mathbf{10}$

संदर्भ ग्रंथ :

1. पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र - मेघा सिन्हा, वंदना पब्लिकेशन नई दिल्ली, 2007
2. साहित्य का पारिस्थितिकी दर्शन - के. वनजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
3. पारिस्थितिकी संकट और समकालीन रचनाकार- डॉ. उषा नायर, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली, 2019
4. मनुष्य और पर्यावरण - इरफान हबीब, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
5. पारिस्थितिकी संकट और समाजवाद का भविष्य - रणधीर सिंह, ग्रंथ शिल्पी, 2014
6. पर्यावरण सतत विकास एवं जीवन - दीनानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली, 2015
7. प्रकृति, पर्यावरण और समकालीन कविता - मनिषा झा, आनंद प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999
8. पर्यावरण और संस्कृति - राजीव रंजन, गांधी शांति प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2005
9. पर्यावरण और समकालीन साहिय- प्रभाकरण इल्लत हेब्बार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
10. भारतीय साहित्य में पर्यावरण संरक्षण - सुमन सिंह, रोशनी पब्लिकेशंस, कानपुर 2011
11. पर्यावरण प्रदूषण और इक्कीसवीं सदी - सुजाता बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
12. वन संरक्षण तथा पर्यावरण - सुदर्शन भाटिया, मित्तल बुक एजेंसी, नई दिल्ली, 2004
13. पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं संरक्षण - के. सिद्धार्थ, ब्रजेन्द्र नारायण, किताब महल, 2014
14. साहित्य में पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक चितन - डॉ. ए. के. बिन्दु, विद्या प्रकाशन,
15. पर्यावरण प्रशासन एवं मानव पारिस्थितिकी - डॉ. राकेश कुमार शर्मा, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 2012

विषय कोड	Research	क्रेडिट
HIN 631RP	शोध परियोजना (Research Project)	4

लक्ष्य (Aim) :

शोध परियोजना का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में अनुसंधानात्मक परिवेश का निर्माण करना तथा विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक वृत्ति और कौशलों का विकास करना है। वस्तुतः शोध परियोजनाएँ समस्याओं के समाधान ढूँढने में मार्गदर्शन करती हैं। साथ ही सामाजिक समस्याओं को समझने तथा उनका विश्लेषण करने में भी सहायक होती हैं। प्रत्यक्ष रूप से शोध परियोजना पर काम करने से पहले शोध विषयक सैद्धांतिक जानकारी होना आवश्यक है। शोध नई विचारधारा और दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो समाज में बदलाव और विकास के मार्गदर्शन में मदद करता है। साथ ही विभिन्न तकनीकों और विधियों का उपयोग करके विषय के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करता है, जिससे विद्यार्थियों को नई जानकारी प्राप्त होती है। शोध परियोजना का मुख्य उद्देश्य नए और मौलिक विचारों को प्रस्तुत करना होता है। इसके साथ ही शोधोपयोगी और प्रभावी समाधानों की खोज करने में सहायता होती है, जो समस्याओं के समाधान में सहायता प्रदान करती हैं। अनुसंधान के माध्यम से लोगों की अनुभूतियों और विचारों को समझा जा सकता है तथा एक विषय को विभिन्न परिपेक्ष्य से देखने की दृष्टि प्राप्त होती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी मिलेगी।
2. अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास होगा।
3. विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों को समझने क्षमता का विकास होगा।
4. समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार होगा।
5. साहित्य प्रवृत्तियों को समझकर विभिन्न शैलियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
6. भाषा कौशलों का विकास होगा।
7. सामाजिक समरसता, न्याय और मानव समाज के विभिन्न पहलुओं की समझ होगी।
8. मानव संबंधों और समाजिक असमानताओं को समझकर उनके कारणों को समझ सकेंगे।
9. मानवाधिकारों और न्याय के विषय में जागरूक होंगे।
10. समस्याओं का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-2	3	3			3			3		3	3	3		3		3				2
CO-3	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-4	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-5	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-6	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3			3	2
CO-7	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-8	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3				2
CO-9	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3				2
CO-10	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3			3	2
Wgt Avg	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3			3	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि ।

	इस शोध परियोजना का परीक्षण एवं मूल्यांकन बाह्य परीक्षक के द्वारा अनिवार्यतः करना होगा। बाह्य परीक्षक अन्य महाविद्यालय का होगा। प्रस्तुत शोध परियोजना पर छात्र को बाह्य परीक्षक के सम्मुख मौखिकी/ प्रस्तुति देनी होगी। कम से 50 पृष्ठों तक शोध परियोजना लेखन आवश्यक है ।
1.	किसी काव्य संग्रह/कहानी संग्रह/नाट्य कृति/उपन्यास कृति का शोध परक अध्ययन (पृष्ठ संख्या सीमा कम से कम 50)
2.	किसी अनूदित कृति का अनुवाद परक अध्ययन
3.	किसी कृति का दलित, आदिवासी, स्त्री , वृद्ध, पर्यावरण, किन्नर विमर्श, आदि के परिप्रेक्ष्य में शोध अध्ययन
4.	किसी लेखक/कवि/आलोचक पर शोधपरक मोनोग्राफ लेखन
5.	21 वीं शती का हिंदी काव्य साहित्य
6.	21 वीं शती का हिंदी कहानी साहित्य
7.	21 वीं शती का हिंदी उपन्यास साहित्य
8.	21 वीं शती का हिंदी नाटक साहित्य
9.	21 वीं शती का हिंदी निबंध साहित्य
10.	21 वीं शती का हिंदी आत्मकथा साहित्य
11.	21 वीं शती का हिंदी जीवनी साहित्य
12.	21 वीं शती का हिंदी संस्मरण साहित्य
13.	21 वीं शती का हिंदी रेखाचित्र साहित्य
14.	21 वीं शती का हिंदी व्यंग्य साहित्य
15.	21 वीं शती का हिंदी अनूदित साहित्य
16.	21 वीं शती का लोक संगीत
17.	21 वीं शती के लोकगीत
18.	21 वीं शती का लोकनाट्य
19.	21 वीं शती का बाल साहित्य (काव्य, नाटक, कहानी)
20.	21 वीं शती का हिंदी रंगमंच
	उपरोक्त विषयों के अलावा भी अध्यापक और छात्र शोध परियोजना के लिए अपनी रूची अनुरूप किसी अन्य नए विषय का चयन कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोध सन्दर्भ - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल/डॉ. मीना अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन
2. शोध प्रविधि - विनय मोहन शर्मा - नेशनल पेपर बैक्स, दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य विश्व संस्कृति और भाषाएँ डॉ. के. सी. सीतालक्ष्मी, अमन प्रकाशन
4. शोध संस्कृति - डॉ. संजय नवले, अमन प्रकाशन नैनपुर
5. अनुसन्धान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह,
6. शोध और समीक्षा - सुरेशचन्द्र गुप्त, रविन्द्र प्रकाशन, ग्वालियर

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 651MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4
HIN 652MJ	आधुनिक भारतीय कविता	4
HIN 653MJ	टेलीविजन पत्रकारिता	4
	Major Elective Mandatory (one)	
HIN 660MJ	हिंदी लघुकथा	4
HIN 661MJ	रचनात्मक लेखन	4
HIN 662MJ	शब्दकोश विज्ञान	4
	Research Project	
HIN 681RP	शोध परियोजना (Research Project)	6

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 651MJ	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4

लक्ष्य (Aim) :

साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) तत्कालीन राजनैतिक गतिविधियों से प्रभावित हुआ है। इसे हिन्दी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ युग माना जा सकता है। इस काल में पद्य के साथ-साथ गद्य, समालोचना, कहानी, नाटक व पत्रकारिता का भी विकास हुआ है। अंग्रेजों ने यहाँ अपने शासन कार्य को सुचारु रूप से चलाने एवं अपने धर्म-प्रचार के लिए जनसाधारण की भाषा को अपनाया है। आधुनिक युग की मुख्य विशेषता गद्य की प्रधानता रही है। इस काल में होने वाले मुद्रण कला के आविष्कार ने भाषा-विकास में बहुत योगदान दिया है। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने भी आर्य समाज के ग्रन्थों की रचना राष्ट्रभाषा हिन्दी में की और अंग्रेज मिशनरियों ने भी अपनी प्रचार पुस्तकें हिन्दी गद्य में ही छपवायी। इस तरह विभिन्न मतों के प्रचार कार्य से भी हिन्दी गद्य का समुचित विकास हुआ है।

भारतेंदु हरिश्चंद्र तथा आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने अपने समकालीन लेखक और कवियों को साथ लेकर सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा हिंदी नवजागरण करने का महान कार्य किया है। इस काल में राष्ट्रीय भावना का विकास हुआ। ब्रजभाषा की अपेक्षा खड़ीबोली उपयुक्त समझी गई। राष्ट्रीय भावना से प्रेरित होकर लिखनेवाले साहित्यकारों में मैथिलीशरण गुप्त, रामचरित उपाध्याय, नाथुराम शर्मा शंकर, रामनरेश त्रिपाठी, जयशंकर प्रसाद, माखन लाल चतुर्वेदी, दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान, महादेवी वर्मा आदि का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आगे चलकर हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता के रूप में अनेक साहित्यिक आंदोलन हुए। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रभाव से हिन्दी-काव्य में भी स्वच्छंद (अतुकांत) छन्दों का प्रचलन हुआ। इस काल में गद्य-निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, समालोचना, तुलनात्मक आलोचना, साहित्य आदि सभी रूपों का समुचित विकास हुआ है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से परिचित होंगे।
2. आधुनिक काव्य को जन्म देने वाली पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
3. आधुनिक काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त करेंगे।
4. आधुनिक काव्य धाराओं की प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे।
5. आधुनिक काव्य धाराओं कवियों के साहित्य से परिचित होंगे।
6. प्रतिनिधि कवियों के काव्य की विशेषताओं का अध्ययन करेंगे।

7. प्रतिनिधि कवियों के काव्य का विश्लेषण कर सकेंगे।
8. आधुनिक काव्य धाराओं कवियों काव्य में निहित जीवन मूल्य अंकित कर सकेंगे।
9. आधुनिक काव्य धाराओं कवियों का प्रदेय अंकित करेंगे।
10.हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का मूल्यांकन करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	2				2	2				3	2			2					
CO-2	3	2				2	2				3	2			2					
CO-3	3	2	2			2	2				3	2			2					2
CO-4	3	2	2			2	2				3	2			2					2
CO-5	3	2	2			2	2				3	2			2					2
CO-6	3	2	2			2	2				3	2			2					2
CO-7	3	2	2			3	2				3	2		2	2					2
CO-8	3	2	2			3	2				3	2		2	2					2
CO-9	3	2	2			3	2				3	2		2	2					2
CO-10	3	2	2			3	2				3	2		2	2					2
Wgt Avg	3	2	2			2.4	2				3	2		2	2					2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्य पद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : 1957 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण भारतेंदु युग, 19 वीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	**द्विवेदी युग :** महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग हिंदी नवजागरण और स्वरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, रामधारीसिंह 'दिनकर', रामवतार त्यागी स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	**छायावाद, प्रगतिवाद** छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि। जयशंकर प्रसाद, सुमित्रा नंदन पंत, महादेवी वर्मा , सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ। प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि – गजानन माधव 'मुक्तिबोध',वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	**प्रयोगवाद, नई कविता :** प्रयोगवाद की विशेषताएँ - प्रयोगवाद के प्रमुख कवि –सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय', नरेश मेहता नई कविता की विशेषताएँ नई कविता के प्रमुख कवि- शमशेर बहादुर सिंह, सुदामा पांडेय 'धूमिल', धर्मवीर भारती	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।

2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न। ऐसे चार प्रश्न। $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

प्रथम और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के
8. हिंदी साहित्य का नया इतिहास - डॉ. राजेंद्र मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 652MJ	आधुनिक भारतीय कविता	4

लक्ष्य (Aim) :

किसी भी भारतीय भाषा (प्रांतीय/क्षेत्रीय) में भारतीय लोक और लोकसंस्कृति से संबंधित विषय पर रचित साहित्य भारतीय साहित्य है। भारत की प्रांतीय भाषाओं में लिखित साहित्य भी भारतीय साहित्य है। हिंदी, मराठी, कन्नड, मलयालयम, उडिया, गुजराती, असमीया, तेलुगु, पंजाबी, कश्मिरी, उर्दू, तमिल, अंग्रेजी आदि भाषाओं में लिखा साहित्य जो लोकआस्था, लोकसंस्कृति, लोकजीवन आदि को प्रतिबिंबित करता है, वह भी भारतीय साहित्य है। भारतीय समाज की चित्तवृत्तियों, परंपराओं, लोकविश्वास, राजनीति, सामाजिक परिवर्तन और समास्याओं का चित्रण किसी प्रांतीय भाषा में भी हुआ है और लेखक विदेशी नागरिक है,(विदेशी मूल का) तो भी वह साहित्य भारतीय साहित्य है।

भारतीय साहित्य किसी एक भारतीय भाषा, किसी एक क्षेत्रीय भाषा, किसी एक जाति, किसी एक काल का साहित्य नहीं कहा जा सकता है बल्कि भारतीय साहित्य बहुआयामी है। भारतीय साहित्य में आधुनिक भारतीय कविताओं का स्थान महत्वपूर्ण रहा है। भारतीय समाज, संस्कृत, लोक-जीवन, लोक-शिक्षा, विज्ञान आदि को भारतीय कविता ने वाणी प्रदान की है। तत्कालीन समाज का बिंब भारतीय कविताओं में बखूबी उभरा है। राष्ट्रीय एकात्मता मूल्य को पाठकों तक आत्मविस्तृत करने में भारतीय कविता सफल रही है। भारतीय सामासिक संस्कृति एवं सभ्यता को जानने की दृष्टि से, शोध कार्य की दृष्टि से आधुनिक भारतीय कविता का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझेंगे।
2. भारत की एकता और अखंडता के आधार तत्वों को जानेंगे।
3. अन्य भारतीय भाषाओं के कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।
4. भारतीय भाषाओंके काव्य का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. भारतीय भाषाओं के कवियों की भाषा एवं शैली से परिचित होंगे।
6. भारतीय भाषाओं के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का अध्ययन करेंगे।
7. भारतीय भाषाओं की प्रतिनिधि कविताओं में जीवन मूल्यों की खोज करेंगे।
8. विभिन्न भारतीय भाषाओं के कवियों के काव्य का मूल्यांकन करेंगे।
9. भारतीय भाषाओं के काव्य तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।
10. विविधता में एकता के सूत्रों की खोज करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3		2				2	2			3				2	2				2
CO-2	3		2				2	2			3				2	2				2
CO-3	3		3				2	2			3				2	2				2
CO-4	3	3	3			2	3	2			3	3			2	2				2
CO-5	3	3	3			2	3	2			3	3			2	2				2
CO-6	3	3	3			2	3	2			3	3			2	2				2
CO-7	3	3	3			2	3	2			3	3			3	2				2
CO-8	3	3	3			2	3	2			3	3			3	2				2
CO-9	3	3	3			2	3	2			3	3			3	2				2
CO-10	3	3	2			2	3	2			3	3			3	2				2
Wgt Avg	3	3	2.7			3	2.7	2			3	3			2.4	2				2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	भारतीय साहित्य की आवधारणा भारतीय साहित्य की एकता के आधार तत्व हिंदी और उर्दू कविता **हिंदी** अटल बिहारी वाजपेयी : 1. कदम मिलाकर चलना होगा - 2. हरी-हरी दूब पर - **उर्दू** निदा फ़ाजली - एक नज़्म - अमीक हनफ़ी - पुल उक्त कविताओं का संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	तमिल और तेलुगु कविता **तमिल** - सुब्रह्मण्यम् भारती - रूपांतर, एन. सुन्दरम्, विश्वनाथ सिंह विश्वासी 1. नमन करें इस देश को - 2. सब शत्रुभाव मिट जाएंगे - **तेलुगु** - 1. सागर का पुष्प - आचार्य तिरूमल (मुल कवि) डॉ. आई - पांडुरंगराव (रुपांतर) 2. आलोक किरण - डॉ. दाशरथी (रुपांतर) डॉ. आई - पांडुरंगराव उक्त कविताओं का संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई - III	कश्मीरी और पंजाबी कविता **कश्मीरी** 1. बहते रहेंगे दरिया - मूलकवि - सैय्यद रसुल 'पोंपुर' रुपांतर - शशिशेखर तोषखानी 2. प्रेम कथा - दीनानाथ नादिम - (रूपांतर — शशिशेखर तोषखानी) **पंजाबी** 1. इबारत एक पत्र की - मूलकवि (सरोद सुदीप) रूपांतर - डॉ.हरभजन सिंह 2. प्रवासी - अवतार - रूपांतर डॉ.हरभजन सिंह	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	उडिया और गुजराती कविता **उडिया** 1. शब्द - मूल - डॉ. सीताकांत महापात्र - (रूपांतर - राजेंद्रप्रसाद मिश्र) 2. जानेवाला - मूल - राजेंद्र किशोर पंडा **गुजराती** 1. कल सूरज निकलेगा ही - चंद्रकांत सेठ (रूपांतर - भोलाभाई पटेल) 2. कुआँ - शीतांशु यशचंद्र (रूपांतर मृदुला पारीक)	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्रश्न 1. चारों इकाइयों पर एक - एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे। $2 \times 6 = \mathbf{12}$

प्रश्न 2. किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। $3 \times 16 = \mathbf{48}$

प्रश्न 3. चारों इकाइयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न। पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन प्रश्न $10 \times 1 = \mathbf{10}$

संदर्भ ग्रंथ :

1.	नए कविता के प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह
2.	नयी कविता की मुक्तधारा - डॉ. नामवर सिंह
3.	नया साहित्य नया प्रश्न - नंददुलारे वाजपेयी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
4.	भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - संपा. डॉ. नगेन्द्र
5.	भारतीय साहित्य कोश - संपा. डॉ. नगेन्द्र
6.	भारतीय साहित्य - संपा. डॉ. नगेन्द्र

विषय कोड	Major Mandatory	क्रेडिट
HIN 653MJ	टेलीविजन पत्रकारिता	4

लक्ष्य (Aim) :

अपने मानसिक भाव अनुभूतियों की अभिव्यक्ति हेतु हर संभव प्रयास करना मानव का जन्मजात गुण बन गया है। मनुष्य स्वयं को व्यक्त करने के लिए अपने परिवार, पड़ोस, गांव, नगर, प्रदेश, देश तथा संसार के सभी निवासियों के साथ संवाद संबंध जोड़ना चाहता है। आधुनिक जन माध्यम अपने उद्देश्यों की सफलता के लिए मूलतः संचार पर निर्भर है। पत्रकारिता का आदि स्वरूप सूचना तथा ज्ञान के प्रसार एवं प्रचार की विधियों में समाहित है। टेलीविजन पत्रकारिता के सभी अध्येताओं के लिए पत्रकारिता के मूल तत्व का ज्ञान परम आवश्यक है क्योंकि वह एक आधारशिला है, जिसमें महारथ प्राप्त करके ही सफल टेलीविजन पत्रकारिता की जा सकती है। एम.ए. के स्तर पर पढने वाले छात्रों को टेलीविजन पत्रकारिता का ज्ञान देने हेतु एवं रोजगार के अवसर निर्माण करने हेतु यह पाठ्यचर्या निर्माण की गई है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र टेलीविजन पत्रकारिता की अवधारणा को समझेंगे।
2. टेलीविजन पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. टेलीविजन पत्रकारिता का प्राविधिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. टेलीविजन विज्ञापन के स्वरूप से परिचित होंगे।
5. टेलीविजन निर्माण और प्रसारण तकनीक को जानेंगे।
6. टेलीविजन समाचार प्रसारण की तकनीक को समझेंगे।
7. संवाददाता की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
8. टेलीविजन पत्रकारिता के लिए आवश्यक कौशल सीखेंगे।
9. प्रेस कानून के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
10. टेलीविजन पत्रकारिता संबंधी व्यावसायिक कौशल प्राप्त करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-2	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-3	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-4	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-5	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-6	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-7	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		2
CO-8	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		2
CO-9	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		
CO-10	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		2
Wgt Avg	3			2	3				3	3	3		3	3	3		3	3		2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	**टेलीविजन पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास** 1. भारत में टेलीविजन का विकास (सामान्य विकास) **टेलीविजन की अवधारणा एवं व्याख्या** 1. लेखक 2. प्रतिभा 3. समाचार कक्ष प्रमुख 4. समाचार संयोजन। **प्राविधिक ज्ञान** 1. चित्र स्रोत: i. वीडियो कैमरा ii. वीडियो टेप रिकॉर्डिंग iii. फिल्म, iv. चलचित्र, चित्ररेखा। 2. ध्वनि स्रोत: 1 माइक्रोफोन, 2 वीडियो टेपरिकॉर्डिंग, 3 फिल्म ऑडियो टेपरिकॉर्डिंग, 4 फोनोग्राफ रिकॉर्ड। 5 प्रोड्यूसर, 6 कैमरामैन, 7 टेलीविजन स्क्रिप्ट।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	**टेलीविजन प्रसारण की तकनीक के अनिवार्य मानक तत्व** 1. स्टुडिओ 2. माइक्रोफोन 3. टीवी कैमरा 4. नियंत्रण कक्ष 5. ट्रांसमिशन टेलीविजन **रिसीवर** वीडियो सेक्शन,साउंड सेक्शन। **माइक्रोफोन** 1. कार्बन माइक, 2. कंडेनसर माइक, 3. क्रिस्टल माइक, 4. क्वायलमा माइक, 5. रिबन माइक। **टेलीविजन पर समाचार प्रसारण की तकनीक** 1. समाचार प्रस्तोता (एंकर) की भूमिका 2. अन्य महत्वपूर्ण कर्मी 3. समृद्ध ग्रंथालय की आवश्यकता।	15 तासिकाएँ

इकाई - III	टेलीविजन समाचार संपादन-प्रक्रिया एवं सिद्धांत 1. समाचार का अभिप्राय **संवाददाता का महत्व एवं विशेषताएं** 1. अच्छी दृष्टि और श्रवण शक्ति 2. मजबूत पैर 3. मुद्रलेखन का ज्ञान 4. भाषा पर अधिकार 5. परिशुद्धता के प्रति लगाव 6. जटिल घटनाओं को समझने की क्षमता 7. गहन अध्ययन। 8. कम से कम एक विदेशी भाषा का ज्ञान। 9. प्रचलित घटनाओं की अच्छी जानकारी। संपादन प्रक्रिया (कला) चित्र समाचार उत्तर सामग्री का संपादन	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	**टेलीविजन पत्रकारिता में विधिसम्मत आचरण-** **प्रेस कानून** 1. मानहानि, 2. न्यायालय की अवमानना, 3. भारतीय सरकारी गोपनीयता अधिनियम-1923 4. युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन एवं प्रसारण कानून-1956। 5. औषधि और चमत्कारिक उपचार अधिनियम-1954। 6. कृति स्वाम्य अधिनियम- 1957 तथा एकांतता का कानून। 7. पुरस्कार प्रतियोगिता कानून-1955। 8. प्रेस एवं संसदीय विशेषाधिकार। 9. श्रमजीवी पत्रकार कानून-1955।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ मीडिया कर्मी/लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न । $4 \times 16 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेलीविजन पत्रकारिता सिद्धांत एवं तकनीक- डॉ इंद्रजीत सिंह, मधुलिका शर्मा,कनिष्का पब्लिशर, डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली, संस्करण- 2021
2. न्यू मीडिया और बदलता भारत - प्रांजलधर, भारतीय ज्ञानपीठ
3. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग - विष्णुराज गढ़िया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास - डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. सामयिक मीडिया और प्रेस-विधि - पृथ्वीनाथ पाण्डेय

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 660MJ	हिंदी लघुकथा	4

लक्ष्य (Aim) :

हिंदी लघुकथा का उद्भव भले ही आधुनिक काल से माना जाता हो परंतु इसके सूत्र रामायण , महाभारत की कथाओं , बौद्ध तथा जातक कथाओं में मिलते हैं। पंचतंत्र, हितोपदेश आदि की कथाएं प्राचीन काल से हमारे भारतीय समाज का अभिन्न अंग रही हैं। प्रारंभिक लघुकथाओं में अंगहीन धनी (भारतेंदु हरिश्चंद्र), एक टोकरी भर मिट्टी (माधवराव सप्रे), बूढ़ा व्यापारी (आचार्य जगदीश चंद्र मिश्र) आदि का उल्लेखनीय है। किसी भी अन्य साहित्यिक विधा की तरह लघुकथा विधा के ऐतिहासिक विकास -क्रम को जानना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है।

समकालीन लघुकथा प्रारंभिक तथा पूर्वकालीन लघुकथाओं से अनेक अर्थों में भिन्न है। 'लघुकथा 'गागर में सागर' उक्ति को चरितार्थ करती है' के आधार पर लघुकथा का कथ्य तथा शिल्पगत अध्ययन अपेक्षित है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से लघुकथाकारों के व्यक्तित्व तथा लेखन – शैली से विद्यार्थी परिचित होंगे। विद्यार्थियों में रचना का आस्वादन एवं भाव प्रस्तुतिकरण की क्षमता विकसित करना तथा सृजनात्मक लेखन के प्रति विद्यार्थियों में रुचि जागृत करना पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है।लघुकथा विधा का वर्तमान परिदृश्य तथा महाराष्ट्र की लघुकथा लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित कराना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र लघु कथा विधा से परिचित होंगे।
2. लघु कथा विधा का इतिहास और पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
3. लघु कथा के तत्वों का परिचय प्राप्त करेंगे।
4. लघु कथाकारों का परिचय प्राप्त करेंगे।
5. लघु कथाओं की तात्विक समीक्षा कर सकेंगे।
6. लघु कथाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।
7. लघु कथाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
8. लघु कथा का महत्व एवं उद्देश्य समझेंगे।
9. लघु कथा की भाषा एवं शैली से परिचित होंगे।
10. लघु कथा लेखन के प्रति प्रेरित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3				2	2	2			3	2			2	2				
CO-2	3	3				2	2	2			3	2			2	2				
CO-3	3	3				2	2	2			3	2			2	2				
CO-4	3	3				2	2	2			3	2			2	2				
CO-5	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2				2
CO-6	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2				2
CO-7	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2				2
CO-8	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2				2
CO-9	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2			2	2
CO-10	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2			2	2
Wgt Avg	3	3	2		2	2	2	2			3	2			2	2			2	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	1. हिंदी लघुकथा का उद्‌भव एवं विकास (कालक्रमानुसार)। 2. लघुकथा - परिभाषा एवं स्वरूप । 3. लघुकथा के तत्व - कथावस्तु, पात्र, कथोपकथन, देशकाल और वातावरण, उद्देश्य, भाषा-शैली - शब्द - प्रयोग, आलंकारिकता, व्यंग्यात्मकता, मुहावरें, संप्रेषणीयता आदि । 4. महाराष्ट्र में लघुकथा - लेखन तथा महाराष्ट्र के प्रमुख लघुकथाकार।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	1. भारतेंदु हरिश्चंद्र - अंगहीन धनी, अद्‌भुत संवाद 2. आचार्य जगदीश चंद्र मिश्र - संसार की यात्रा, मिट्टी के आदमी, स्त्री - पूजा ,तीसरे पैर का खोट 3. शंकर पुणतांबेकर - पैसा और चाँद, चुनाव, आम आदमी, अनुराग	15 तासिकाएँ
इकाई - III	1. रघुवीर सहाय - मुक्ति एक क्षण, खेल, सरकस 2. उदय प्रकाश - नरक, विनायक का अकेलापन, घर, अभिनय। 3. बलराम अग्रवाल - बिना नाल का घोड़ा, गाँव अभी भी, अकेले भी जरूर घुलते होंगे पिताजी, ब्रह्म सरोवर के कीड़े।	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	1. कमल चोपडा - विष, बहुत बड़ी लड़ाई, पुराना लेकिन बहुत अच्छा, एक पेड़ 2. अशोक भाटिया - नमस्ते की वापसी, रिश्तें, श्राद्ध, कुंडली 3. कांता रॉय - इंजिनियर बबुआ, सावन की झड़ी, चेहरा, टी ट्वेन्टी	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/पुस्तक परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

प्रश्न 1. चारों इकाइयों पर एक - एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न, चार में से किन्हीं दो के उत्तर लिखने होंगे। $2 \times 6 = 12$

प्रश्न 2. किन्हीं छह प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। पहली और दूसरी इकाई पर तीन प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन प्रश्न। $3 \times 16 = 48$

प्रश्न 3. चारों इकाइयों पर 10 बहु पर्यायी प्रश्न। पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो प्रश्न। तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन प्रश्न $10 \times 1 = 10$

संदर्भ ग्रंथ :

1. चिंतन - अनुचिंतन - डॉ.बलराम अग्रवाल ,राही प्रकाशन, दिल्ली संस्करण - 2020
2. लघुकथा आकार और प्रकार - अशोक भाटिया, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली, संस्करण - 2019
3. समकालीन लघुकथा : सृजन और विचार - कमल चोपडा, कौशिक पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली, संस्करण- 2019
4. आधुनिक हिंदी लघुकथा का पूर्वार्ध काल - डॉ. रामकुमार घोटड, साहित्यागार जयपुर, संस्करण - 2020
5. बीसवीं सदी का हिंदी लघुकथा इतिहास - डॉ. रामकुमार घोटड, साहित्यागार जयपुर, संस्करण - 2021
6. सेवानिवृत हैं भजन में आईए - डॉ. जयकुमार जलज उपग्रह प्रकाशन, रतलाम, संस्करण - 2021
7. हिंदी-लघुकथा का इतिहास - डॉ.सत्यवीर मानव,समन्वय प्रकाशन, गाजियाबाद, संस्करण-
8. लघुकथा के समीक्षा बिंदु - मधुदीप, दिशा प्रकाशन
9. लघुकथा का सौंदर्यशास्त्र - सतीशराज पुष्करणा, अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच ,पटना , संस्करण - 2003
10. हिंदी लघुकथा - डॉ. शकुंतला किरण , साहित्य संस्थान, गाजियाबाद, संस्करण - 2009
11. हिंदी लघुकथा के सिद्धांत - भगीरथ परिहार, एजूक्रिएशन पब्लिशिंग, नई दिल्ली, संस्करण - 2018
12. हिंदी लघुकथा समीक्षात्मक अध्ययन - डॉ. पुष्पा जमुआर, पुष्करणा ट्रेडर्स, पटना, संस्करण - 2015
13. हिंदी लघुकथा प्रासंगिकता और प्रयोजन - डॉ. मिथिलेश दीक्षित, निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, आगरा, संस्करण - 2019
14. लघुकथा : सृजनात्मक सरोकार - कमल चोपडा, दिशा प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण - 2021

15. हिंदी लघुकथा की भूमिका - डॉ. सतीश दुबे
16. हिंदी लघुकथा की रचना प्रविधि - सतीशराज पुष्करणा
17. लघुकथा दशा और दिशा - कृष्ण कमलेश
18. बिखरे संदर्भ - सतीशराज पुष्करणा
19. लघुकथा साहित्य का विकास - सतीश राठी
20. लघुकथा का व्याकरण - कमल किशोर गोयनका, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण - 2002
21. लघुकथा बहस के चौराहे पर - सतीशराज पुष्करणा, विवेकानंद प्रकाशन, पटना, संस्करण - 1983
22. लघुकथा - सर्जना एवं समीक्षा - सतीशराज पुष्करणा, अयन प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण- 1990
23. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य - मीरा गौतम , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली, संस्करण- 2012
24. हिंदी लघुकथा का मनोविज्ञान - बलराम अग्रवाल
25. लघुकथा का प्रबल पक्ष - बलराम अग्रवाल

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 661MJ	रचनात्मक लेखन	4

लक्ष्य (Aim) :

छात्रों को समृद्ध विचारधारा, साहित्यिक अभिव्यक्ति, और अच्छे लेखन कौशल प्रदान करना। छात्रों को विभिन्न विषयों पर लेखन करने के लिए प्रेरित करना। छात्रों के लेखन कौशल को समझाना और उन्हें विभिन्न लेखन रूपों के परिचय और विशेषताओं के साथ परिचित करना। विभिन्न सामयिक विषयों पर विचारों को व्यक्त करने के लिए रचनात्मकता का विकास करना। ब्लॉग लेखन, संस्मरण लेखन, निबंध लेखन, आदि जैसे विभिन्न लेखन विधाओं का परिचय और कार्यानुभव प्राप्त करना। रचनात्मक लेखन कौशल को सुधारने एवं विकसित करने के माध्यम से विद्यार्थियों को अच्छे लेखन कौशल प्राप्त करने में सहायता करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र रचनात्मक लेखन की अवधारण का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. रचनात्मक लेखन के प्रकारों का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. रचनात्मक लेखन की प्रविधि की जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. रचनात्मक लेखन के सोपानों का अध्ययन करेंगे।
5. रचनात्मक लेखन की तकनीक का अध्ययन करेंगे।
6. अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त करेंगे।
7. रचनात्मक शैली प्रभावशाली बनाने का अवसर मिलेगा।
8. लेखन कौशल विकसित होगा।
9. रचनात्मक लेखन करने का अवसर प्राप्त होगा।
10. प्रत्यक्ष रचनात्मक लेखन का अभ्यास करेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3			3					3	3		2	3	2		2		2	
CO-2	3	3			3					3	3		2	3	2		2		2	
CO-3	3	3			3					3	3		2	3	2		2		2	
CO-4	3	3			3					3	3		2	3	2		2		2	
CO-5	3	3			3					3	3		2	3	2		2		2	
CO-6	3			2	3				2	3	3		3	3	2		2		3	2
CO-7	3			2	3				2	3	3		3	3	2		2		3	2
CO-8	3			2	3				2	3	3		3	3	2		2		3	2
CO-9	3			2	3				2	3	3		3	3	2		2		3	2
CO-10	3			2	3				2	3	3		3	3	2		2		3	2
Wgt Avg	3	3		2	3				2	3	3		2.5	3	2		2		2.5	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	**रचनात्मक लेखन का परिचय :** 1. रचनात्मक लेखन की परिभाषा 2. रचनात्मक लेखन का महत्व 3. रचनात्मक लेखन और मनोविज्ञान 4. लेखक के समसामयिक सरोकार 5. रचनात्मक लेखन के प्रकार और उदाहरण: साक्षात्कार लेखन , निबंध, संस्मरण, ब्लॉग लेखन, फीचर लेखन आदि। 6. रचनात्मक लेखन के सामाजिक और मनोरंजक दृष्टिकोण 7. रचनात्मक लेखन में करिअर विकल्प 8. अपने लेखन को दूसरों के साथ साझा करने के लिए उचित माध्यम का चयन।	15 तासिकाएँ
इकाई - II	**रचनात्मक लेखन प्रक्रिया :** 1. विचार और परिप्रेक्ष्य,विषय चयन करना, लेखन योजना बनाना 2. प्रस्तुति और संगठन, आकर्षक शीर्षक और प्रारंभ, मुख्य भाग लेखन, समाप्ति और संक्षेपण, संपादन और सुधार करना 3. संवेदनशील भाषा का प्रयोग 4. अन्य लेखकों के लेखन का अध्ययन करना, सफल लेखकों के जीवन से प्रेरणा	15 तासिकाएँ
इकाई - III	**रचनात्मक लेखन कार्यानुभव -1** **फीचर लेखन - अर्थ, स्वरुप एवं महत्व :** किसी एक विषय पर फीचर लेखन **आत्म-परिचय :** अपने बारे में लिखें,अपने परिवार के सदस्यों के बारे में लिखें, अपने सबसे प्रिय मित्र के बारे में लिखें **यात्रा के अनुभव** किसी एक यात्रा का वर्णन, यात्रा के दौरान आए रोचक अनुभव **कला और संस्कृति** किसी कलाकार के जीवन और योगदान पर लेख सांस्कृतिक परिवेश अथवा विषय पर लेख अपने शहर/गाँव का सांस्कृतिक परिचय	15 तासिकाएँ

इकाई - IV	**रचनात्मक लेखन कार्यानुभव -2** **संस्मरण लेखन** संस्मरण लेखन का महत्व और विशेषताएँ संस्मरण लेखन के तत्व संस्मरण लेखन का अभ्यास **ब्लॉग लेखन** - लेखन का परिचय महत्व ब्लॉग एवं लेखन का परिचय ब्लॉग लेखन के विभिन्न अंग ब्लॉग लेखन का अभ्यास **वैचारिक लेखन** वैचारिक लेखन का महत्व और लेखन का अभ्यास वैचारिक लेखन के प्रकार – निबंध, साक्षात्कार आदि सामाजिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, और साहित्यिक विषयों पर वैचारिक लेखन	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/संस्करणलेखन/ब्लॉग/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न । $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. नई रचना और रचनाकार - डॉ. दयानंद शर्मा, अन्नपूर्ण प्रकाशन, कानपूर
2. रचना की कार्यशाला - डॉ. सुमन राजे, साहित्य रत्नालय, कानपूर
3. कला और आधुनिक प्रवृतियाँ - डॉ. रामचंद्र शुक्ल, विद्यामंदिर, वाराणसी
4. सृजन के विविध आयाम - डॉ. राधा गिरिधारी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपूर
5. कला साहित्य और समीक्षा - डॉ. भागीरत मिश्र, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली
6. लेखन कला : एक परिचय - डॉ. मधुधवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रचना प्रक्रिया से जूझते हुए - लीलाधर जगूड़ी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन

विषय कोड	Major Elective Mandatory (one)	क्रेडिट
HIN 662MJ	शब्द कोश विज्ञान	4

लक्ष्य (Aim) :

शब्दकोश एक बडी सूची या ऐसा ग्रन्थ है जिसमें शब्दों की वर्तनी, उनकी व्युत्पत्ति, व्याकरण, अर्थ, परिभाषा, प्रयोग आदि का सन्निवेश होता है। शब्दकोश एकभाषीय, द्विभाषिक या बहुभाषिक हो सकते हैं। शब्दों को परिभाषित करने के अपने मूल कार्य के अलावा शब्दकोश उनके उच्चारण, व्याकरणिक रूपों और कार्यों, व्युत्पत्ति , वाक्यात्मक विशिष्टताओं, भिन्न वर्तनी आदि के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है।

भाषा एवं भाषातत्व का ऐतिहासिक और तुलनात्मक आधार पर किया गया वैज्ञानिक अध्ययन भाषाविज्ञान कहलाता है। भाषाविज्ञान में शब्द, पद, ध्वनि, वाक्य, रूप, अर्थ, कोशविज्ञान आदि का सूक्ष्म अध्ययन होता है । कोशविज्ञान कोश और विज्ञान शब्द से बना है। एक भाषा के शब्द का दूसरी भाषा के शब्द में क्या अर्थ होगा इसके लिए लगभग सभी भाषाओं में कोशों का संकलन एवं संग्रह प्राप्त होता है। शब्द की व्युत्पत्ति एवं उसके वास्तविक अर्थ की शब्द कोश विज्ञान से हमें जानकारी मिलती है ।शब्द कोश विज्ञान के बिना किसी भी तथ्य का प्रामाणिक ज्ञान संभव नहीं हो सकता । शब्द कोश विज्ञान में शब्द निर्माण की प्रक्रिया के साथ ही अर्थ ग्रहण की समस्या भी मालुम होती है। दो भाषा के तुलनात्मक अध्ययन के लिए भी शब्द कोश विज्ञान सहायक सिद्ध होता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्र शब्दकोश विज्ञान का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. शब्दकोश विज्ञान की अवधारणा को समझेंगे।
3. कोष विज्ञान का महत्त्व एवं आवश्यकता समझेंगे।
4. कोश निर्माण की प्रक्रिया का परिचय प्राप्त करेंगे।
5. कोश के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे।
6. कोश निर्माण कौशल विकसित करेंगे।
7. सर्वेक्षण करने की क्षमता विकसित होगी।
8. बोली भाषाओं के शब्दों का संग्रह कर सकेंगे।
9. भाषिक क्षमता का विकास होगा।
10. कोशों का आवश्यकतानुसार प्रयोग कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3					2			2	3									
CO-2	3	3					2			2	3									
CO-3	3	3					2			2	3									
CO-4	3	3					2			2	3									
CO-5	3	3					2			2	3									
CO-6	3	3			2		2		2	2	3		2	2						
CO-7	3	3			2		2		2	2	3		2	2						
CO-8	3	3			2		2		2	2	3		2	2						
CO-9	3	3		3	2		2		2	3	3		3	3						
CO-10	3	3			2		2		2	3	3		3	3						
Wgt Avg	3	3		3	2		2		2	2	3		2.4	2.4						

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान पद्धति, विश्लेषण पद्धति, प्रत्यक्ष कार्यपद्धति, अध्ययन यात्रा पद्धति।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई - I	कोश : परिभाषा और स्वरूप शब्दार्थ विज्ञान और कोश - निर्माण शब्द निर्माण, शब्द रचना और अर्थ ग्रहण की समस्याएँ	15 तासिकाएँ
इकाई - II	कोश के प्रकार : एकभाषी, द्विभाषी, बहुभाषी, विश्वकोश, साहित्यकोश, मानविकी कोश, विषयानुसार कोश, जीवनी या चरित्र कोश, व्युत्पत्ति कोश, संस्कृति पर्याय कोश, पारिभाषिक कोश, मुहावरा लोकोक्ति कोश, सांस्कृतिक कोश	15 तासिकाएँ
इकाई - III	कोश निर्माण प्रक्रिया – (हिंदी और मराठी भाषा के तुलनात्मक कोश के सन्दर्भ में) सामग्री संकलन, प्रविष्टि क्रम, व्याकरणिक कोटी, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ विकास, प्रयोग	15 तासिकाएँ
इकाई - IV	अभ्यास : मराठी भाषा क्षेत्र से लगभग सौ शब्दों की व्युत्पत्ति एकत्र करना तथा शब्द वर्गों के अनुसार तुलनात्मक संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, अव्यय आदि प्राविधि विवरण तैयार करना।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा।
2. 15 अंकों की अध्ययन यात्रा/शब्दकोश परीक्षण/क्षेत्रीय भेंट/ लेखक आदि का साक्षात्कार, समूह चर्चा, छात्र संगोष्ठी ।

सत्रांत परीक्षा : 70 %

चार इकाइयों पर अथवा में एक-एक प्रश्न । ऐसे चार प्रश्न । $4 \times 15 = \mathbf{60}$

प्रश्न 5 : वस्तुनिष्ठ बहु पर्यायी $10 \times 1 = \mathbf{10}$

पहली और दूसरी इकाई पर दो-दो और तीसरी और चौथी इकाई पर तीन-तीन बहु पर्यायी प्रश्न ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कोश कला : डॉ. रामचंद्र वर्मा
2. हिंदी कोश साहित्य : डॉ. ना. स. कालभोर
3. हिंदी में कोश (भाषा - विश्व हिंदी सम्मलेन विशेषांक) संपा. डॉ. हरदेव बाहरी
4. हिंदी कोश विज्ञान का उद्भव और विकास : डॉ. युगेश्वर
5. हिंदी कोश साहित्य - एक विवेचनात्मक और तुलनात्मक अध्ययन जखलाभोला
6. कोशविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
7. कोशनिर्माण - सिद्धांत और परंपरा : डॉ. सुरेश कुमार (संपा.)

❀ ✿ ❀

विषय कोड	Research	क्रेडिट
HIN 681RP	शोध परियोजना (Research Project)	6

लक्ष्य (Aims):

सैद्धांतिक रूप से प्राप्त जानकारी का प्रयोग विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से शोध परियोजनाओं पर कार्य करते हुए करेंगे। उन्हें साहित्यिक, लोकसाहित्य तथा भाषावैज्ञानिक परियोजनाएँ दी जा सकती हैं। ये परियोजनाएँ पूर्ण करते हुए, वे अध्यापकों के ज्ञान एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होंगे। साहित्यिक शोध परियोजनाओं के द्वारा छात्रों को शोध की जानकारी तथा निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल प्राप्त होगा। इन परियोजनाओं के द्वारा प्राचीन या दुर्लभ ग्रंथों का अध्ययन तथा उनका संरक्षण किया जा सकता है। इससे उपेक्षित कार्यों या लेखकों पर ध्यान दिया जाता है और साहित्यिक सिद्धांतों को सुरक्षित रखने में सहायता मिलती है। इन परियोजनाओं के द्वारा विभिन्न लेखन शैलियों, विषयों और कहानी कहने के तकनीकों में अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है, जो छात्रों को रचनात्मकता की दिशा में प्रोत्साहित करती है। यह साहित्य की समझ बढाती है। अनुसंधानात्मक सोच को गति प्रदान कराती है। साहित्यिक अनुसंधान के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में सहायता मिलती है और बौद्धिक विकास होता है। यह जटिल विचारों और विविध दृष्टिकोणों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है। साथ ही आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल में संज्ञानात्मक विकास प्रदान करती है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे:

1. छात्रों को अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी मिलेगी।
2. अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास होगा।
3. विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों को समझने क्षमता का विकास होगा।
4. समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तैयार होगा।
5. साहित्य प्रवृत्तियों को समझकर विभिन्न शैलियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
6. भाषा कौशलों का विकास होगा।
7. सामाजिक समरसता, न्याय और मानव समाज के विभिन्न पहलुओं की समझ होगी।
8. मानव संबंधों और समाजिक असमानताओं को समझकर उनके कारणों को समझ सकेंगे।
9. मानवाधिकारों और न्याय के विषय में जागरूक होंगे।
10. समस्याओं का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Critical Thinking	Moral & Ethical Values	Communication Skills	Life-long Learning	Evaluating Skills	Analytical Reasoning	Research-related skills	Professional Skills	Self Directed Learning	Domen Knowledge	Critical Thinking	Life Skills	Application of Knowledge	Synthesis of Knowledge	Research Aptitude	Employment Skills	Digital Literacy	Recreational Skills	Personality Development
	PO-1	PO-2	PO-3	PO-4	PO-5	PO-6	PO-7	PO-8	PO-9	PO-10	PSO-1	PSO-2	PSO-3	PSO-4	PSO-5	PSO-6	PSO-7	PSO-8	PSO-9	PSO-10
CO-1	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-2	3	3			3			3		3	3	3		3		3				2
CO-3	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-4	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-5	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-6	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3			3	2
CO-7	3	3			3		3	3		3	3	3		3		3				2
CO-8	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3				2
CO-9	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3				2
CO-10	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3			3	2
Wgt Avg	3	3			3	3	3	3		3	3	3		3		3			3	2

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य, परियोजना लेखन विधि ।

	निम्न में से किसी एक पाठ्यविषय पर शोध परियोजना लेखन **इस शोध परियोजना का परीक्षण एवं मूल्यांकन बाह्य परीक्षक के द्वारा अनिवार्यत: करना होगा । बाह्य परीक्षक संबंधित महाविद्यालय से नहीं होगा। प्रस्तुत शोध परियोजना पर छात्र को बाह्य परीक्षक के सम्मुख मौखिकी/प्रस्तुति देनी होगी । परियोजना लेखन हेतु 100 अंक और प्रस्तुति हेतु 50 अंक । किसी एक विषय पर 75 पृष्ठों का शोध परियोजना लेखन अनिवार्य है। निम्न में से किसी एक विषय पर शोध- परियोजना तैयार की जा सकती है।**
1.	किन्हीं दो कृतियों (काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी) का तुलनात्मक शोध अध्ययन
2.	किसी कृति /रचना का सौंदर्यशास्त्री य अध्ययन
3.	क्षेत्रीय बोलियों का सर्वेक्षण एवं शोध अध्ययन
4.	साहित्य कृति पर फिल्मांतरित रचना एवं फिल्म का तुलनात्मक शोध अध्ययन
5.	दृक श्राव्य माध्यमों से संबंधित विषय पर शोध अध्ययन
6.	मीडिया और हिंदी भाषा पर शोध अध्ययन
7.	विश्व में हिंदी विषय पर शोध अध्ययन
8.	कृत्रिम मेधा और हिंदी भाषा
9.	स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी भाषा
10.	रासो काव्य का काव्य सौंदर्य
11.	निर्गुण भक्ति काव्य की प्रासंगिकता
12.	सगुण भक्ति काव्य की प्रासंगिकता
13.	निर्गुण भक्ति काव्य का लोक पक्ष
14.	सगुण भक्ति काव्य का लोक पक्ष
15.	साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता
16.	भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार
17.	भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य
18.	पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
19.	पारिभाषिक शब्दावली का महत्व एवं उपयोगिता
20.	हिंदी भाषा के विभिन्न रूप और उसकी उपयोगिता
21.	कार्यालय हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य अनुवाद: पुनरीक्षण तथा मूल्यांकन
22.	कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
23.	जनसंचार माध्यम में अनुवाद

24.	वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद भक्ति काव्य में निहित उच्चतम मानवीय आदर्श
25.	भक्ति काव्य की सांस्कृतिक चेतना
26.	रीतिकाव्य का अभिव्यंजना सौंदर्य
27.	रीतिकाव्य का काव्य सौंदर्य
28.	भारतीय साहित्य का स्वरूप
29.	भारतीय साहित्य में वर्तमान भारत का परिदृश्य
30.	रेडियो और हिंदी
31.	दूरदर्शन और हिंदी
32.	जनसंचार माध्यम और हिंदी
33.	विज्ञापन और हिंदी
34.	विज्ञापन-लेखन, भाषा-शिल्प एवं प्रविधि
35.	मानवीय चेतना और साहित्य
36.	अनुवाद समीक्षा: आवश्यकता एवं निकष
37.	हिंदी सिनेमा
38.	हिंदी धारावाहिक
39.	हिंदी का अंतरराष्ट्रीय रूप
40.	विदेशी भाषा के रूप में हिंदी
	उपरोक्त विषयों के अलावा भी अध्यापक और छात्र अपनी रूचि के अनुरूप शोध परियोजना के लिए किसी अन्य विषय का चयन कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोध सन्दर्भ - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल/डॉ. मीना अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन
2. शोध प्राविधि - विनय मोहन शर्मा - नेशनल पेपर बैक्स, दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य विश्व संस्कृति और भाषाएँ डॉ. के. सि. सीतालक्ष्मी, अमन प्रकाशन
4. शोध संस्कृति - डॉ. संजय नवले, अमन प्रकाशन नैनपुर
5. अनुसन्धान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह,
6. शोध और समीक्षा - सुरेशचन्द्र गुप्त, रविन्द्र प्रकाशन, ग्वालियर